वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 121 | रविवार 25 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री ने साइक्लोथोन को दिखाई हरी झण्डी

प्रकृति बचाने के लिए बदलाव की स्वयं से करें शुरूआत, साइकिल चलाना पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के लिए लाभदायक, साइक्लोथोन से ''चलो प्रकृति की ओर'' का दिया संदेश

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हमारी धरती को दिन-प्रतिदिन कमजोर बना रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में हम सभी का कर्तव्य है कि मिलकर पर्यावरण को बचाने के लिए सार्थक प्रयास करें। शर्मा ने कहा कि हम सब मिलकर पर्यावरण और अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा का संकल्प लें और हरा-भरा व स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करें। प्रकृति को बचाने के लिए बदलाव की शुरूआत हमें स्वयं से ही करनी होगी। मुख्यमंत्री शर्मा ने शनिवार को जयपुर के एसएमएस स्टेडियम से हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा मेला तथा आइएमसीटी फाउण्डेशन द्वारा पर्यावरण सरंक्षण के लिए आयोजित साइकिल रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं तथा हमें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी करते हैं। इनसे हम शारीरिक रूप से तो स्वस्थ रहते ही हैं साथ ही, हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

12 हजार से अधिक लोगों ने साइक्लोथोन में लिया भाग

राइड फॉर ए ग्रीन फ्यूचर, पैडल फॉर द प्लेनेट तथा चलो प्रकृति की ओर के संदेश के साथ द्वितीय साइक्लोथोन में 12 हजार से अधिक युवाओं, महिलाओं, बजुर्गों तथा बच्चों ने उत्साह के साथ भागीदारी की। यह साइकिल रैली एसएमएस स्टेडियम से प्रारंभ होकर अल्बर्ट हॉल पर समाप्त हुई। शर्मा ने कहा कि हम सबका यह सामूहिक दायित्व है कि हम पर्यावरण का संरक्षण करें। उन्होंने कहा कि हम अपने व्यक्तिगत जीवन में भी वाहन से प्रदूषण फैलाते हैं तो ऐसे में यह हमारी जिम्मेदारी है कि इसकी क्षतिपूर्ति करने के लिए हम अधिक से अधिक संख्या में पेड़ लगाएं एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सदैव तत्पर रहें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों से प्रकृति को नुकसान नहीं पहुंचाने तथा पर्यावरण के संरक्षण की अपील की। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाए गए ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान में हम सब बढ़-चढ़कर हिस्सा लें तथा पर्यावरण संरक्षण की तरफ कदम बढ़ाएं। इस दौरान युवा मामले एवं खेल राज्यमंत्री के के विश्नोई, जयपुर ग्रेटर नगर निगम उप महापौर पुनीत कर्णावट, पर्यावरणविद तथा बड़ी संख्या में युवा एवं आमजन उपस्थित रहे।

नेट थिएट पर नाटक रेड फ्रॉक

जीवन की एक गलती, सिद्धांत और परंपरावादी सोच भी कई बार जीवन भर का पछतावा देती है

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएटर कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज रंग मस्ताने संस्था की ओर से आशीष पाठक लिखित एवं अभिषेक मुद्गल निर्देशित एकल नाटक रेड फ्रॉक का सशक्त मंचन किया गया। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि इस सोलो नाटक में कलाकार उज्जवल उपमन ने अपने अभिनय से इंसान के अंतरमन मैं उठने वाले विचारों और सिद्धांतों को बहुत ही जीवंतता से दर्शाकर यह बताने का प्रयास किया कि कई बार इंसान की एक गलती, सिद्धांत और परंपरावादी सोच भी जीवन भर का पछतावा देती है। रंगकर्मी उज्ज्वल ने बचपन का लड़कपन, जवानी की जिद और बाप की मनोस्थिति को अपनी भाव भंगिमाओं और अभिनय से जीवंत कर दर्शकों पर अमिट छाप छोड़ी। **नाटक का सार:** जिन्दगी भर आप एक गलती से बचने का प्रयास करें और अंत में वही गलती कर बैठे तो बात जरा गंभीर हो जाती है बस इसी बात पर आधारित है नाटक रेड फ्रॉक , प्रकाश जाधव बचपन से ही अपने पिता के पास पैसों से भरे मिठाई के डिब्बे आते देखता है और अपनी आदत से इतना मजबूर होता है की हर छोटी चीज पर सवाल करता है इस आदत से पिताजी- मां से डांट खाता और हर बार बिगडेल या बदतमीज करार दिया जाता है , उसने फैसला किया की वो अपने पिता की तरह बिलकुल नहीं बनेगा वो कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करेगा और ऐसा होता भी है वो जब पढ़ाई पूरी कर लेता है तब पिताजी एक चिट्ठी लाकर देते है की मैंने तुम्हारी नौकरी की बात की है कल जाकर ज्वाइन कर लो, पर सिद्धांतों से बंधा प्रकाश ऐसा नहीं करता और खुद अपनी काबिलियत से नौकरी पाता है, नौकरी में उसने मिठाई के डब्बे नहीं लिये , फिर वो शादी भी अपने पिता की मर्जी के खिलाफ करता है , उसकी एक छोटी बच्ची होती है जिसके लिए वो खरीदता है एक लाल रंग की फ्रॉक और सोचता है की जब वो समझदार होगी तब दूंगा उसे ये लाल फ्रॉक पर बात कुछ इस तरह घुमती है कि प्रकाश को रागिनी के प्रेम प्रसगं के बारे में पता चल जाता है और बस यहीं वो एक परम्परावादी बाप की तरह अपने जीवन की सबसे बड़ी गलती कर बैठता है वो नहीं चाहता है की रागिनी किसी ऐसे लड़के से शादी करे जो प्रकाश की मर्जी के खिलाफ हो और इस एक गलती की सजा उसे अंत में ये मिलती है की उसकी बेटी घर छोड़कर चली जाती ये और सारी उम्र अपने संस्कारों की छायाँ में रहने वाला प्रकाश ऑर्थोडॉक्स साबित हो जाता है । नाटक में संगीत सरगम भटनागर का रहा । कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, कैमरा एवं प्रकाश मनोज स्वामी, साउंड संयोजन विनोद सागर गढ़वाल, मंच संयोजन वीरेंद्र सिंह राठौड़ अंकित शर्मा नोनू एवं जीवितेश शर्मा का रहा ।

श्री सन्मति परिषद अजमेर द्वारा सावन उत्सव गोठ का आयोजन

अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री सन्मति परिषद अजमेर द्वारा सावन उत्सव गोठ का आयोजन शनिवार को आतेंड स्थित बगीची में किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम सन्मति परिषद के वरिष्ठ सदस्य आर सी जैन व राज कुमार पाटोदी द्वारा माल्यार्पण व विनय पाटनी, निर्मला पाटनी द्वारा तिलक लगाकर सभी आगंतुकों का स्वागत किया गया। सन्मति परिषद की सदस्या श्रीमति बीना गदिया, रूप श्री, प्रीति बाकलीवाल द्वारा मंगला चरण किया गया। तत्पश्चात परिषद की वरिष्ठ सदस्या श्रीमती शांता बाकलीवाल व आशा दोषी के निधन पर मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विनय गदिया व बीना गदिया के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व मनोरंजक खेल खिलाये गये जिसमें लहरिया संग कार्यक्रम,हाऊजी व अन्य खेल प्रमुख थे।

चन्दन षष्टि का महिलाओं ने व्रत कर किया विधान पूजन

अज्ञान कृत्य से हुए कर्म बंध के निवारण हेतु किया महिलाओं ने चन्दन षष्टि का व्रत

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी - ज्योतिनगर जैन मन्दिर में महिलाओं द्वारा चन्दन षष्टि के व्रत पर श्री जी के अभिषेक शांतिधारा देखकर विधान पूजन की गई ।भाद्रपद कृष्णा छठ को महिलाओं द्वारा अज्ञान कृत्य से हुए कर्म बन्ध के निवारण हेतु यह व्रत किया जाता है । यह व्रत छ वर्ष तक किए जाते है तत्पश्चात उद्यापन किया जाता है। इस दिन मन्दिर जी में छ वलय के विधान मंडल पर चन्द्र प्रभु के अष्ट द्रव्य के साथ अर्घ समर्पित करते हुए व्रत वाली महिलाओं द्वारा भक्ति भाव से अर्चना की गई । इसके पूर्व चतुष्कोण में मंगल कलश स्थापित कर विधि पूर्वक विधान संपन्न किया गया । सभी द्वारा अंत में चंदन षष्टि के माहात्म्य की कथा वाचन की गई ।

मंदिरों में छः तीर्थंकरों की पूजा-अर्चना कर महिलाओं ने किया चन्दन षष्ठी का उपवास

रविवार को मनाएंगे जैन धर्म के 16 वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ का गर्भ कल्याणक महोत्सव

कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कस्बा स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कोटखावदा में भाद्रपद कृष्ण की षष्ठी को जिसे चंदन षष्ठी व्रत भी कहा जाता है के मौके पर महिलाओं ने चन्द्रप्रभू सहित छह तीर्थंकरों की पूजा अर्चना कर चन्दन षष्ठी व्रत उपवास किया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि पूजा अर्चना के दौरान " चन्दन षष्ठी व्रत करें, भाव सहित जो लोग। विशद भोग वे प्राप्त कर पावें शिव संयोग " का उच्चारण करते हुए अर्घ्य चढाये गये। इस मौके पर चन्दन षष्ठी व्रत की कथा का वाचन भी किया गया। प्रचार प्रसार मंत्री अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि इस दिन महिलाओं द्वारा जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभू की विशेष पूजा-अर्चना कर उपवास एवं व्रत किया गया। श्री जैन के मुताबिक यह उपवास, व्रत छः साल तक किया जाता है समाज की मेनका गंगवाल ने बताया कि यह उपवास व व्रत वर्षभर में हमारे द्वारा जितनी भी अशुध्दि के माध्यम से पाप बंध होता है, उसके निराकरण करने के लिए चन्दन षष्ठी व्रत किया जाता है। इस दौरान सोनू वैद, सीमा पाटोदी, मेनका गंगवाल , प्रिंसी जैन, रींकू वैद, सुनीता चांदवाड, अंजू जैन, रश्मि जैन, गुड्डी वैद, पिंकी जैन, कमला पाटोदी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम, हैदराबाद । आज की सबसे बड़ी बीमारी है - हीनभाव - हीनता। मतलब - अपने आपको कमजोर समझना..! करने का जज्बा कायम रखो.. मगर जज्बा ही कायम मत रखो, साथ में वैसा एड़ी से चोटी तक दम भी लगाओ..!

मन की हीनता ही सभी बीमारियों की जड़ है। जब जब भी हम अपने आपको दूसरे से तौलेंगे, तब तब हम अपने आपको कमजोर ही पायेंगे। जिसने उससे आगे जाना चाहा, तब तब वह पीछे गिरते गया। आज हमारी सारी दौड़ प्रतिस्पर्धा की है। हम उसे पीछे करने के चक्कर में अपना सब सुख खत्म करते जा रहे हैं। आज की प्रतिस्पर्धा की दौड़ में सबसे ज्यादा टांग खींचने वाले अपने ही लोग है। एक युवक ने बड़े बड़े पहलवान को चैलेंज किया, किसमें दम है हमको हराने की-? बड़े बड़े पहलवान को लगा कि दुबला पतला मरा मरा सा युवक हमको चैलेंज कर रहा है। *एक पहलवान ने कहा - आ जा बेटा मैदान में। वह युवक भी पुरी दमदारी से मैदान में, अपनी ताल को ठोका, बाहों को ऊंचा किया और सामने वाले पहलवान को चैलेंज किया। तुम में दम हो तो हमको हरा कर दिखाओ-? जैसे ही पहलवान सामने आया -- युवक चित्त लेट गया और बोला, अब हराओ दम हो तो। पहलवान माथे पर हाथ ठोक कर वापस चला गया। सफलता के शिखर पर वे ही लोग पहुंच पाते हैं,, जो हीनता से ऊपर उठकर जीते हैं और दम लगाकर मेहनत करते हैं। जो प्रतिस्पर्धा की दौड़ से हटकर अपनी दौड़,, दौड़ते हैं - वे लक्ष्य तक पहुंच जाते हैं...। **नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

वर्द्धमान इंस्टिट्यूट मे जन्माष्टमी के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित वर्द्धमान इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग एवं मेकअप आर्टिस्ट विभाग में जन्माष्टमी के अवसर पर ''कृष्णा जन्मोत्सव'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नृत्य प्रतियोगिता, कृष्णा को जानो,माखनचोर, राधा-कृष्णा झांकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं ने कृष्णा और राधा के मनमोहक रूप धारण किए और खुबसूरत प्रस्तुतियां दी। इस कार्यक्रम में एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान भक्ति बैरवा, द्वितीय स्थान ऐश, तृतीय स्थान सिम्पी साहू ने प्राप्त किया व युगल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान खुशी तंवर और अदिति मेवाड़ा ने प्राप्त किया। राधा-कृष्णा झांकी में मनभावन झांकी का पुरस्कार भक्ति बैरवा व ऐश को दिया गया। निर्णायक की भूमिका बाल मंदिर स्कूल की प्राचार्या अजय रानी माहेश्वरी व सेंट्रल अकेडमी स्कूल की प्राचार्या डा. नीलू जैन ने निभायी। शिक्षण समिति मंत्री डा. नरेन्द्र पारख ने छात्राओं और व्याख्याताओं द्वारा शुरू की गयी नयी पहल 'जन्माष्टमी उत्सव' मनाने की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार वर्द्धमान प्रांगण में हर उत्सव मनाया जाता है, उसी प्रकार इस वर्ष से जन्माष्टमी उत्सव मनाने की एक नयी परम्परा आरम्भ हुई जो हमारे लिए हर्ष का विषय है। महाविद्यालय प्राचार्य डा. आर.सी. लोढा ने अपने उद्बोधन में कृष्णा की लीलाओं और उनकी अठखेलियों की कहानियां छात्राओं को बतायी। अकेडमिक डीन डा. नीलम लोढ़ा ने छात्राओं द्वारा तैयार किए गए कृष्णा झ राधा पोशाक और मेकअप की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में कृष्णा आरती के पश्चात माखन-मिश्री का प्रसाद वितरण किया गया।

भागवत कथा में कृष्ण जन्मोत्सव

भक्ति से ही मिलती है मुक्तिः संत हरिशरण दास

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रीमद् भागवत कथा समिति के बैनर तले विद्याधर नगर,सेक्टर-1 स्थित शेखावाटी विकास परिषद मे चल रही श्री मद भागवत कथा में शनिवार को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। इस मौके पर भक्तों ने नंद के आनंद भयो...जैसे बधाई गीतों के बीच श्रीमद् भागवत कथा समिति के रामानंद मोदी व अन्य ने भक्तों को खिलौने,मेवे व फल की उछाल लुटाई। इस दौरान आसपास का क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में डूबा नजर आया। इस अवसर पर व्यासपीठ से कथा सुनाते हुए संत हरिशरण दास जी महाराज ने कहा कि भक्ति से ही मुक्ति मिलती है। भगवान से मिलने का कोई न कोई बहाना ढूंढते रहना चाहिए। प्रभु की भक्ति वैराग्य विचार ज्ञान और हरि से मिलने का मार्ग बता देती है। जीवन में ध्रुव व प्रहलाद जैसी भक्ति से ही हम भगवान को पा सकतें है। भगवान से मिलना आसान नहीं होता। उनको पाने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति का होना आवश्यक है। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की कथा सुनाते हुए कहा कि धरती पर जब-जब क्रूरता मानवता को हानि पहुंचाने लगती है, जब-जब अधर्म अपना विस्तार करने लगता है, तब-तब मानव को सद्मार्ग दिखाने, क्रूरता से मानवता को बचाने और अधर्म का अंत करके धर्म का राज स्थापित करने के लिए, भगवान पृथ्वी पर अवतरित होते हैं। श्री कृष्ण जन्माष्टमी कथा ऐसी ही एक ऐतिहासिक और पौराणिक घटना है, जब भगवान श्री हरि विष्णु द्वापर युग में पृथ्वी पर अवतरित हुए और मानवता का उत्थान किया। उन्होंने यह भी बताया कि जिस दिन श्री कृष्ण का जन्म हुआ तब भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि थी, जिसको युगों-युगों से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता आ रहा है। श्री कृष्ण के जनमोत्स्व की कथा को ही श्री कृष्ण जन्माष्टमी कथा कहा जाता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा, विधिवत तरीके से की जाती है।

फ्रेशर पार्टी में जूनियर छात्राओं ने मचाया धमाल

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। खिलखिलाते चेहरे और बेहतरीन भविष्य की कामना के साथ शुक्रवार को शहर के प्रतिष्ठित सीआरडीएवी गर्ल्स शिक्षण संस्थान में बीए प्रथम वर्ष सत्र 2024 में आए सभी प्रथम वर्ष की छात्रायों के स्वागत के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पारम्परिक रूप से सरस्वती वंदना के साथ शुरू हुआ, सीआरडीएवी संस्थान के चेयरमैन ईश कुमार मेहता, कार्यकारी निदेशक डॉ. करुण मेहता, प्रिंसिपल डॉ बूटा सिंह कॉलेज समन्वयक दीपशिखा व समूह स्टाफ ने दीप प्रज्वलित करते हुए की सभी नए विद्यार्थियों का संस्थान में स्वागत किया। बीए द्वितीय वर्ष की छात्रायों ने अपनी नई नवेली जूनियर जूनियरो का तिलक लगाकर व फूल बरसाकर स्वागत किया। कार्यकारी निदेशक डॉ. करुण मेहता ने कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में मदद मिलती है। विद्यार्थियों ने सोलो डांस, ग्रुप डांस, ग्रुप सांग, सोलो सांग आदि रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बीए द्वितीय वर्ष की छात्रायों ने अपनी जूनियर के लिए टाइटल बोल कर खूब रंग जमाया। प्रिया के गाने और रजनी के नृत्य ने पार्टी में सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में नए विद्यार्थियों के प्रदर्शन को देखते हुए निर्णायक मंडल ने इस साल के मिस फ्रेशर अमृतपाल , मिस पर्सनैल्टी दमन प्रीत मिस परफॉर्मर मंजीत को चुना।

वेद ज्ञान

करुणा का अर्थ: किसी के दुख में भागीदार बनना

करुणा के बगैर जीवन एक पाखंड है। पीड़ित की आह बनकर करुणा हमें पुकारती है और उसे हम रसमय संगीत में तलाशते हैं। वृत्तियों का रिश्ता चित्त से होता है, किंतु करुणा शुद्ध हृदय से संबंधित है। लंबी साधना के बाद जब गौतम सिद्धार्थ के भीतर करुणा जगी तो वह भगवान बुद्ध बन गए। बुद्ध की साधना का लक्ष्य व्यक्तिगत निर्वाण न होकर सर्वगत कल्याण था। यही कारण है कि बुद्ध को अर्हत की यात्रा रास नहीं आई और वे अनवरत साधना करते हुए बोधिसत्व तक पहुंचे। विश्वकल्याण ही बोधिसत्व का निहितार्थ है। ऐसा व्यक्ति करुणा की जीवंत मूर्ति है। वह दुखियों की आह से द्रवित होकर कहता है कि संसार के सारे दुखों को मेरे भीतर उड़ेल दो ताकि सभी प्राणी इनसे मुक्त हो सकें। बुद्ध की करुणा किसी अलौकिक चमत्कार का परिणाम नहीं है, बल्कि आत्मविजय का प्रतिफल है। उनके भीतर करुणा की धारा फूटी थी रोगी की काया देखकर, बूढ़े बैल की पिटाई देखकर, जमीन पर घिसटते हुए बुढ़ापे को देखकर और कंधे पर लदे शव को देखकर। इन घटनाओं ने बुद्ध को भीतर तक आहत कर दिया। उन्होंने अनुभव किया, दुनिया में दुखियों ने जितने आंसू बहाए हैं, वह महासागर के जल से भी कहीं अधिक है। करुणा के बगैर मानवीय वृत्तियों पर प्रश्न चिह्न लग जाता है। अहिंसा, प्रेम, दान, दया आदि गुणों का अपना कोई अर्थ नहीं है। जब वे करुणा की कोख से जन्म लेते हैं तो उनका मूल्य बढ़ जाता है। करुणा और अहिंसा में फर्क है। करुणा सकारात्मक सोच है। करुणा का अर्थ है किसी के दुख-दर्द में सक्रिय रूप से भागीदार बनना। यदि किसी के रास्ते में कांटे बिछे हैं तो कारुणिक व्यक्ति सहज भाव से उसे हटाएगा, परंतु अहिंसक व्यक्ति किसी के रास्ते में कांटें नहीं बिछाएगा। बस, इतने से ही वह संतुष्ट हो जाएगा। प्रेम और करुणा में फर्क है। एक पति अपनी पत्नी से बहुत प्रेम करता है, परंतु उस पर मालिकाना हक कभी भी छोड़ने को तैयार नहीं होता। मालिक होना भी दुख का कारण है। प्रेम तो है, करुणा नहीं है। प्रेम में सुख है, करुणा में पीड़ा। प्रेम में रस है, करुणा में रिसता हुआ घाव। प्रेम फूल है, करुणा कांटों की चुभन।

संपादकीय

अमन के लिए भारत की पहल

प्रधानमंत्री की यूक्रेन यात्रा से स्वाभाविक ही सबको काफी उम्मीदें थीं। खुद प्रधानमंत्री भी वहां रवाना होने से पहले काफी उत्साहित थे। उन्होंने कहा था कि वे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मिलने को लेकर उत्सुक हैं। जेलेंस्की ने बहुत गर्मजोशी से उनका स्वागत किया और वहां युद्ध की स्थितियों से उन्हें अवगत कराया। दोनों नेताओं के बीच बातचीत मुख्य रूप से युद्ध रोकने के उपाय तलाशने पर ही केंद्रित रही।

यूक्रेन ने इच्छा जताई कि भारत शांति समझौते में सदा साथ रहे। हालांकि इस दौरान दोनों देशों ने चार समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए। अधिकारियों ने बताया कि इन समझौतों से कृषि, खाद्य उद्योग, चिकित्सा, संस्कृति और मानवीय सहायता के क्षेत्र में सहयोग सुनिश्चित होगा। प्रधानमंत्री की यूक्रेन यात्रा पर इसलिए भी दुनिया की निगाहें बनी हुई थीं कि शुरू से रेखांकित किया जा रहा है कि भारत ही रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग रुकवा सकता है। हालांकि भारत शुरू से ही दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों से बातचीत कर युद्ध का रास्ता छोड़ने की अपील करता रहा है। यूक्रेन रवाना होने से पहले भी प्रधानमंत्री ने कहा था कि यह दौर युद्ध का नहीं है, युद्ध से किसी समस्या का समाधान नहीं निकल सकता। यूक्रेन से पहले प्रधानमंत्री रूस भी गए थे। तब जेलेंस्की ने काफी नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को दुनिया का सबसे बड़ा अपराधी बताते हुए उनसे भारतीय प्रधानमंत्री के गले मिलने की आलोचना की थी। मगर अब वे भारत के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करने को लेकर उत्साहित नजर आए। प्रधानमंत्री की यूक्रेन यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब यूक्रेन ने रूसी इलाकों में हमले तेज कर दिए हैं। इसे देखते हुए कहना मुश्किल है कि प्रधानमंत्री की अपीलों का यूक्रेन या फिर रूस पर कितना असर पड़ेगा। पहले भी कई मौकों पर प्रधानमंत्री पुतिन से फोन पर बातचीत करके या फिर आमने-सामने यूक्रेन पर हमले बंद करने की अपील कर चुके हैं। पिछले दिनों रूस जाकर भी उन्होंने पुतिन से यही अपील की थी। मगर अभी तक ऐसा कोई मौका नजर नहीं आया, जब रूस ने भारत की अपील पर संजीदगी दिखाई हो। शंघाई शिखर सम्मेलन के दौरान आमने-सामने बातचीत के बाद लगा था कि पुतिन ने भारतीय प्रधानमंत्री की अपील को गंभीरता से लिया है, मगर वहां से लौटते ही उन्होंने यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए थे। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष का असर पूरी दुनिया पर पड़ा है। यूक्रेन में बड़ी संख्या में नागरिक मारे गए हैं, उसकी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन का वाणिज्य और व्यापार बाधित हुआ है। वह चाहता तो है कि युद्ध विराम पर समझौता हो, मगर वह रूस की शर्तें मानने को तैयार नहीं है। रूस की शर्त है कि यूक्रेन नाटो की सदस्यता त्याग दे। दोनों में से कोई, किसी भी रूप में झुकने को तैयार नजर नहीं आता। ऐसे में बातचीत की मेज पर बैठने की सूरत बने भी तो कैसे, यही सबसे कठिन सवाल है। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

केरल की पहल

किसी भी अच्छे समाज के लिए न्याय बुनियादी जरूरत है। उदार लोकतंत्र बनाने का वादा सही ढंग से काम कर रही न्यायपालिका पर ही निर्भर करता है, जो सुनिश्चित करती है कि विभिन्न पक्षों के बीच प्रतिस्पर्धा में किसी को दबाया नहीं जाए। बाजार अर्थव्यवस्था का वादा पूरा करने के लिए भी व्यवस्थित ढंग से काम करने वाली न्याय व्यवस्था की जरूरत होती है ताकि अनुबंध पर श्रम संभव हो, राज्य की शक्तियों को सीमित किया जा सके और कंपनियों के बीच दबावरहित प्रतिस्पर्द्धा भी सुनिश्चित हो। भारतीय न्यायपालिका की बात करें तो इसके सही होने, अनुमान लायक होने और गति के मामले में काफी असहजता है। न्याय व्यवस्था में सुधार जटिल यात्रा है, जिसमें राजनीतिक अर्थव्यवस्था और विचार विमर्श के साथ डेटा पर शोध आदि भी शामिल होते हैं। जिन्हें पहले से चली आ रही व्यवस्था से लाभ मिल रहा है, वे कुछ अहम सुधारों पर शंका जताएंगे। सही जवाब किसी को नहीं पता। हमें आजमाइश करते हुए आगे बढ़ना होगा और राह तलाशनी होगी। सही जवाब तलाशने के लिए कई अनुभवों से गुजरना होता है। इन प्रयोगों के दौरान प्रक्रिया में बदलाव के ऐसे कई विचार गलत साबित होंगे, जिनकी कल्पना विचारकों ने की थी। विधिक व्यवस्था में काम करने के तरीके नए सिरे से गढ़ना निजी क्षेत्र की तुलना में कठिन होता है क्योंकि वहां मुकाबला करने वाला कोई नहीं होता और मुनाफे या शेयर भाव जैसी कोई बात भी नहीं होती। कंप्यूटर तकनीक अदालतों का कामकाज सुधारने में उसी तरह मददगार हो सकती है, जिस तरह वह सेवा क्षेत्र के तमाम संगठनों में कर चुकी है। इस यात्रा का पहला हिस्सा वह है, जो हम देश की अनगिनत कंपनियों में घटित होते देख चुके हैं। उद्यम सूचना प्रौद्योगिकी से नेतृत्व को अग्रिम पंक्ति के कामकाज की प्रकृति पर नियंत्रण मिल जाता है। शुरूआती व्यवस्थाएं पुराने तरीकों का अनुसरण भर करें तो भी गहन बदलाव की बुनियाद उद्यमी आईटी व्यवस्था ही होती है। शेड्यूलिंग यानी मुकदमों की तारीख तय करने की व्यवस्था पर विचार कीजिए, जो न्याय व्यवस्था के सुधार की आत्मा सरीखी है। न्यायाधीश दिल की सर्जरी करने वालों की तरह होते हैं और उनके समय का सही इस्तेमाल होना चाहिए। कई अदालतों में अभी एक ही न्यायाधीश के पास एक दिन में सौ मुकदमे सुनवाई के लिए पहुंच जाते हैं। अगर तारीख देने का काम कंप्यूटर की मदद से कर दिया जाए तो परेशानी बहुत कम हो सकती है। बेहतर यही होगा कि ऐसे हालात बनें जहां न्यायाधीश कम समय में भी हर मामले पर ध्यान दे सकें और समय लगा सकें। इससे उन्हें हर मामले के बारे में सही समझ बनाने में मदद मिलेगी। इससे उत्पादकता बढ़ेगी। ऐसे लाभ कंप्यूटरीकरण के वर्तमान तरीकों के दोहराव से सामने नहीं आएंगे। किंतु बेहतर स्थिति तो वह होगी, जब न्यायाधीश को एक ही मामले पर अधिक समय और ध्यान देने का मौका मिले ताकि कम समय में ही वह उसे अच्छी तरह समझ सके। इस तरह के बदलाव किए गए तो कंप्यूटर वैज्ञानिकों की भाषा में ह्यथ्रैशिंगह्ल (जब एक मुकदमे से दूसरे मुकदमे पर जाने में बहुत समय नष्ट होता है) से बचकर अधिक परिणाम हासिल किए जा सकेंगे। लेकिन अगर कंप्यूटरीकरण के बाद भी आज के ढर्रे पर ही चला गया तो ये फायदे नहीं होंगे। न्याय व्यवस्था या विधिक व्यवस्था में हम अक्सर सर्वोच्च और उच्च न्यायालयों की बात करते हैं मगर वास्तव में मुकदमों का भारी बोझ निचली अदालतों पर है। इसके लिए संविधान में उच्च न्यायालयों को प्रबंधन की शक्तियां दी गई हैं। उन्हें ही खुद को और अपने मातहत आने वाली अदालतों को सुधारने के लिए नेतृत्व और प्रबंधन के गुण ढूंढने होंगे।

चिंतामुक्त जीवन जीना है तो मन पर विजय प्राप्त करें: आचार्यश्री सुंदरसागर जी महाराज

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। इंसान चिंताओं का पिटारा है, हाउसफुल होने के बाद भी छोड़ने का मन नहीं करता। जिनशासन कहता है कि जीवन में चिंतामुक्त होकर आनंदित रहना चाहते है तो मन पर विजय प्राप्त करो। जो तनाव रहित होता है उसे कोई रोग नहीं होकर मस्त जीवन जी सकता है। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक (वर्षायोग) वर्षायोग प्रवचन के तहत शनिवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हम भगवान महावीर बनना चाहते है तो उनके जैसा जीवन भी जीना होगा। भगवान महावीर ने 12 वर्ष तक साधना की, जंगल में रहे ओर इन्द्रियों पर विजय प्राप्त की। उन्होंने मन को जीत लिया इसलिए जंगल में भी मंगलमय रहते थे। आचार्यश्री ने कहा कि भगवान महावीर की शांत मुद्रा का ही प्रभाव है कि शेर व हिरण साथ रहकर उनकी छवि को निहारते है। हमे महावीर बनने के लिए अपने अंदर के कषायों को जीतने की जरूरत है। अपने परिणाम ही हमारे शत्रु है। दूसरों को सुधारने का प्रयास करने की बजाय अपनी आत्मा के भावों को सुधारे दिन अच्छे हो जाएंगे। भौतिक संपतियां तो एक दिन समाप्त हो जाएगी लेकिन अनंत गुणों की ज्ञान संपदा सदा हमारे पास रहेगी। इससे पूर्व प्रवचन में क्षुल्लक झनुश्रमण महाराज ने कहा कि दुनिया में सभी तरह के इंसान होते है। हमे दूसरों की चिंता करने से पहले अपने पर ध्यान देना चाहिए। दूसरों को सुख देकर खुद को दुःखी नहीं होना है। हमे सीखाने कोई नहीं आएगा खुद ही सीखना पड़ेगा। मनुष्य जन्म बहुत मुश्किल से प्राप्त हुआ है इसका दुरूपयोग नहीं कर अधिकाधिक धर्म आराधना करनी चाहिए। सांयकालीन सत्र में आचार्यश्री ने श्रावकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। आर्यिका सुलक्ष्यमति माताजी ने कहा कि पानी व अन्य का आवश्यकता से अधिक उपयोग नहीं करना चाहिए। जीवों की घात से प्रतिघात होता है इससे बचना चाहिए। ज्ञान का अर्थ रटना नहीं बल्कि समझना है। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि सभा के शुरू में श्रावकों द्वारा मंगलाचरण,दीप प्रज्वलन,पूज्य आचार्य गुरूवर का पाद प्रक्षालन कर उन्हें शास्त्र भेंट व अर्ध समपर्ण किया गया। संचालन पदमचंद काला ने किया। महावीर सेवा समिति द्वारा बाहर से पधारे अतिथियों का स्वागत किया गया। मीडिया प्रभारी भागचंद पाटनी ने बताया वर्षायोग के नियमित कार्यक्रम श्रृंखला के तहत प्रतिदिन सुबह 6.30 बजे भगवान का अभिषेक शांतिधारा, सुबह 8.15 बजे दैनिक प्रवचन, सुबह 10 बजे आहार चर्या, दोपहर 3 बजे शास्त्र स्वाध्याय चर्चा, शाम 6.30 बजे शंका समाधान सत्र के बाद गुरू भक्ति एवं आरती का आयोजन हो रहा है।

रात्रि चौपाल: गांवों की ओर अभियान पर चर्चा एवं निर्णय

अजीत कोठिया. शाबाश इंडिया

डडूका। महावीर इंटरनेशनल के राष्ट्रीय प्रॉजेक्ट रात्रि चौपाल दोस्ती से सेवा की ओर मे गांवो मे सम्पर्क एवं भ्रमण की कार्ययोजना तैयार की गई। एम आई गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने बताया की कोलकाता के रतन जैन फलोदिया के प्रस्ताव पर चौपाल टीम ने राजस्थान के गांवो मे बसे और वर्षो से पीड़ित मानवता की सेवा कर रहे केंद्रों की विजिट का कार्यक्रम तय किया। आयोजन मे वृक्षारोपण, कपड़े की थैली मेरी सहेली, भोजन मे आइटम्स की लिमिट तय करने और जूठन न छोड़े दाना दाना जोड़े पर मुख्य रूप से फोकस किया जायेगा। पुरे देश से वीर वीरा एक सप्ताह के इस आयोजन मे मारवाड़, मेवाड़ और वागड़ क्षैत्र की विजिट करेंगे। चौपाल के इस नए थीम पर रवीन्द्र सुराणा, ताराचंद बाफना, महेश कुमार मुंड, निर्मल सिंघवी, सुरेश गांधी, आरती मुंड, श्याम सुन्दर जालान, सुंदरलाल सुराणा नोखा, अजीत कोठिया, तिलक नंदिनी शाह, निधि गांधी, वंदना बक्षी ने विचार दिए। कार्यक्रम संचालन अजीत कोठिया ने किया, आभार ताराचंद बाफना ने व्यक्त किया।

धूमधाम से मनाया कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। 24 अगस्त 2024 शनिवार को सांगानेर स्थित आदिनाथ पब्लिक स्कूल में कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव अत्यंत हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर जहां विद्यालय के नन्हे - मुन्ने छात्र - छात्राओं ने राधा - कृष्ण की वेशभूषा में आकर सभी के मन को आकर्षित किया, वहीं अन्य विद्यार्थियों ने कृष्ण की विभिन्न लीलाओं से संबंधित ममोहक झांकियां जैसे कारागृह में कृष्ण जी का जन्म, वासुदेव जी का नंद बाबा के यहां जाना, कृष्ण जी का माखन चुराना तथा कृष्ण-सुदामा मिलन आदि झांकियां सजाकर उत्सव में चार चांद लगा दिए। इस अवसर पर सभी अभिभावक गण भी उपस्थित थे तथा सभी ने कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की। विद्यालय की प्राचार्या डॉ पवना शर्मा ने सभी बच्चों की सराहना की तथा सर्वोत्तम वेशभूषा धारण करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया व सभी को जन्माष्टमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा की झांकी पुरस्कृत

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जैन युवा महासभा द्वारा दिया गया पुरस्कार भव्य एवं सजीव झांकी ''कर्मों की विचित्रतासस नवयुवक मंडल द्वारा पिछले दसलक्षण महापर्व में सुगंध दशमी पर्व पर दिनांक 24 सितंबर 2023 को लगाई गई झांकी में हमारे श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा, झोटवाड़ा जोन में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मीरा मार्ग में परम पूज्य मुनि 108 श्री प्रणम्य सागर जी महाराज के मंगल प्रवचन के पश्चात राजस्थान जैन युवा महासभा द्वारा पुरस्कृत किया गया।

क्या कोई लीवर की क्षति को उलट सकता है ?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

बिल्कुल उल्टा जा सकता है,आज हर डॉक्टर एलोपैथी के साथ-साथ वैद्य की दवाई भी प्रचलन में हैं।एलोपैथी चिकित्सक कहते है की एलोपैथी में ऐसा नहीं है कि लीवर की क्षति को उल्ट दिया जाए या रिपेयर कर दिया जायेगा,,, आयुर्वेदिक इलाज प्रणाली द्वारा यह संभव है। आप को अगर लीवर में सूजन हेपेटाइटिस,, काला पीलिया है तो,, आप बाजार से नागर मोथा ले आइए उसे मिक्सी में अच्छे से पीस लें,,, आप आप खाना खाने के 1 घंटे बाद एक चम्मच नागर मोथा मुंह में रख ले और साथ में पुनर्नवा अरिष्ट 6 चम्मच आधे कप पानी में डालकर इसी पानी से नागरमौथा खा जाय,, इससे आपकी लीवर की सूजन हेपेटाइटिस और काला पीलिया ठीक हो जाएगा इससे आप 1 से 3 महीना लीजिए,, 6 महीने भी लेना पड़ सकता है। वैधकिए देख रेख में ले। 6 महीने की कोई बात नहीं है जब के एलोपैथी में काला पीलिया में डॉक्टरों के हाथ खड़े हो जाते हैं वहां आयुर्वेद काम करता है। आयुर्वेद की तरफ रोगी तब आता है जब एलोपैथी दवाएं काम तमाम कर चुकी होती है। फिर दोष दिया जाता है भारतीय इलाज प्रणाली को, जब के बीमारी से पूर्ण छुटकारा आयुर्वेद ही दिलाता है, इसलिए आयुर्वेदिक प्रणाली मुख्य इलाज प्रणाली होनी चाहिए और बाकी पैथी इसकी सहायक होनी चाहिए।

तप में आत्मा के कर्मों को धोने का सामर्थ्य है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

आनंद दरबार में सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. एमबी मोदी ने भी दिया संबोधन

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। तप में आत्मा के कर्मों को धोने का सामर्थ्य है। शनिवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज ने तपस्वीयो के तप की अनूमोदना करतें हुए कहा कि जिस प्रकार मक्खन से घी बनाने के लिए बर्तन को तपना पड़ता है, उसी तरह आत्मा की विशुद्धि, कर्मनिर्जरा के लिए शरीर को तपाना पड़ता है तभी आत्मा को मोक्ष मिल सकता हैं। जब पुण्यवानी उदय में आती है, तब ही तप करने के भाव जगते हैं। तप में आत्मा के कर्मों को धोने का सामर्थ्य है। निस्वार्थ भाव से तप करने पर ही सुफल प्राप्त कर पाएंगे।महासती दिव्ययशाश्री जी ने कहा कि व्यक्ति शब्दों के मायाजाल में बहुत से झूठ बोलता है। हम संकल्प लें कि जीवन में हमेशा सत्य के मार्ग पर चलें।इस दौरान डीआरडीओ के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. एमबी मोदी ने विज्ञान की कसौटी पर जैन धर्म पर अपने संबोधन में कहा कि जैन धर्म की दृष्टि में इसके दो प्रमुख भाग है दर्शन और धर्माचरण। लेकिन जैन धर्म जिन सिद्धांतों पर आधारित है, उसकी चर्चा ही नहीं होती। जैन धर्म में अहिंसा, अचौर्य आदि सिद्धांतों को मुख्य कहा गया है। ये हमारे जीवन के आचरण है। यदि मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करना है तो दर्शन महत्वपूर्ण है। दर्शन दो भागों में बंटा है वास्तविक संरचना और व्यवहार में दर्शन देखना। यह द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव के अनुसार बदलता है। उन्होंने कहा शास्वत में परिवर्तन नहीं होता है, अशास्वत में परिवर्तन होता है। हमारा स्वभाव, धर्म समय के अनुसार बदलते हैं। यह जरूरी भी है। यदि नहीं बदलेंगे तो हम दरकिनार हो जाएंगे। हम तो ज्ञान में धनवान है और हमें राजा- महाराजा की श्रेणी में आना चाहिए लेकिन हमने अपने आपको प्रजा की श्रेणी में ला खड़ा किया। उन्होंने कहा धर्म की विशेषता यह है कि यहां कुछ आस्तिक, तो कुछ नास्तिक कहलाते हैं परन्तु विश्व में जैन एक मात्र धर्म है, जिसको संपूर्ण ग्लोबल धर्म की मान्यता मिल सकती है, यदि हम इसे सही ढंग से प्रस्तुत करें।

सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान, सम्यक्चारित्र ये तीनों मोक्ष प्राप्ति के उपाय हैं : मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज

दुर्गापुरा. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने शनिवार 24 अगस्त को षोडश कारण पर्व के अवसर पर प्रवचन करते हुए बताया कि , सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान, सम्यक्चारित्र ये तीनों मोक्ष प्राप्ति के उपाय हैं। सच्चे देव, सच्चे शास्त्र, सच्चे गुरु पर श्रद्धान कर इनका मार्ग दर्शन लेकर हम मोक्ष मार्ग की ओर बढ़ने का प्रयत्न करते हैं। तत्वार्थ सूत्र जी में कहा है कि सोलहकारण भावनाएं तीर्थंकर नामकर्म के आश्रव में कारण हैं। जिनका बार बार चिंतन किया जावे, वे भावना कहलाती है। श्रावक को विशुद्धि बढ़ाने के लिए श्रद्धा, ज्ञान, आचरण में विशुद्धि लाना आवश्यक है। परिणामों में निर्मलता आ जाए व उनके प्रति आदरभाव रखना, इन्द्रियों पर विजय पाना, कषाय की निवृत्ति करना, गुरु की आराधना में तत्पर रहना विनय सम्पन्नता है। मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर होने में विशुद्ध विश्वास और सम्मान का भाव आना आवश्यक है। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि प्रवचन से पूर्व श्रीमान प्रमोद जी रांवका ने सहयोगियों के साथ दीप प्रज्वलन किया, मंगलाचरण श्रीमती मुन्ना देवी सोगानी ने एवं शास्त्र भेंट श्रीमती रिंकु सेठी, श्रीमती कनक जी जैन ने किया। पंडित अजित जैन ने जिनवाणी स्तुति की। संयोजक कमल छाबड़ा डॉ वन्दना जैन ने बताया कि षोडश कारण महापर्व के अवसर पर प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे मुनिश्री के प्रवचन तथा रात्रि 8:00 बजे से पंडित अजीत जैन 'आचार्य' के द्वारा तत्व चर्चा की जा रही है।

जैन समाज की महिलाओं ने रखा चंदन षष्ठी व्रत

फागी. शाबाश इंडिया

परिक्षेत्र के जैन समाज की सौभाग्यवती महिलाओं ने आज चंदन षष्ठी का व्रत उपवास रखकर सुख समृद्धि की कामना कर विभिन्न पूजाऐं की कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में समाज की ममता बावड़ी एवं चंद्रकांता सिंघल ने संयुक्त रूप से इस उपवास की व्याख्या करते हुए बताया कि एक वर्ष में हमारे द्वारा जितना भी अशुद्धि के माध्यम से पाप का बंध होता है उसके निराकरण के लिए चंदनाषष्ठी की व्रत उपवास किया जाता है। यह व्रत भाद्रपद कृष्णा षष्ठी के दिन आता है , इस व्रत के दिन समुच्चय पूजा, नव देवता पूजा ,24 तीर्थंकर भगवान की पूजा सहित विभिन्न तीर्थंकरों की पूजा की जाती है। कार्यक्रम में समाज की सुशीला बावड़ी एवं मोना मोदी ने बताया कि इस व्रत से पति ,पुत्र को दीघार्यु और आरोग्य के साथ ही परिवार को धन-धान्य और सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है साथ ही सभी संकटों से मुक्ति मिलती है। कार्यक्रम में समाज के रमेश बावड़ी एवं कमलेश सिंघल ने अवगत कराया कि इससे पूर्व चंद्र प्रभु नसियां जी मे श्री जी का अभिषेक शांतिधारा अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर खुशहाली की कामना की गई, कार्यक्रम में रमेश बावड़ी, महेश बावड़ी, सुरेश बावड़ी,कमलेश सिंघल,डालू बावड़ी,नवल गर्ग तथा सुशीला बावड़ी, संतोष बावड़ी, मन्नु बावड़ी,मीरा झंडा, ममता बावड़ी, संगीता कागला,मोना मोदी तथा चंद्रकांता सिंघल सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे । इसी कड़ी में आदिनाथ जिनालय में भी प्रातः अभिषेक शांतिधारा एवं अष्टद्रव्यों से पूजा करने के बाद चंदन षष्ठी की कथा सुनाई गई।

सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ पर हुआ श्री शांतिनाथ महामण्डल विधान का भव्य आयोजन

गुंसी. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी जिला - टोंक (राज.) में अपनी सुपुत्री आराध्य के जन्मदिन के उपलक्ष्य में अभय कुमार ने श्री 1008 शांतिनाथ विधान करवाने का सौभाग्य प्राप्त किया । लगभग 100 से अधिक लोगों ने इस में भाग लिया। प्रभु श्री शांतिनाथ के स्वतः देवकृत अभिषेक के बाद भक्तों की श्रद्धा इस क्षेत्र के प्रति और अधिक बढ़ गई है। सभी ने बड़े ही भक्तिभावों से मण्डल जी पर 120 अर्घ्य चढ़ाये। भक्ति रस में भक्त झूम रहे थे। साथ ही अनिल जी जैन भरनी वालों ने भक्तामर दीपार्चना कर पुण्यार्जन किया। पूज्य माताजी ने सभी को संबोधन देते हुए कहा कि - कभी भी जन्मदिन या सालगिरह का अवसर आये तो इसी तरह भक्ति के साथ मनाना चाहिए । इससे पुण्य का कोष भरता है। प्रभु व गुरु के सान्निध्य में साथ ही क्षेत्र पर आकर भक्ति करने का अचिन्त्य फल है।

श्रृद्धालुओं ने धरियावद में आचार्य पुण्य सागर जी महाराज के दर्शन किए

प्रतापगढ़ में आचार्य चंद्र सागर महाराज के पाद प्रक्षालन करते हुए

धरियावद में आचार्य पुण्य सागर जी महाराज
ससंघ से सभी यात्री मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त करते हुए

धरियावद. शाबाश इंडिया

फागी कस्बे से विभिन्न धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों,मुनि संघो एवं आर्यिकाओं के दर्शनार्थ गये 35 श्रृद्धालुओं के दल ने आज प्रतापगढ़ में आचार्य चंद्रसागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में फागी जैन समाज की तरफ से सामूहिक रूप श्री जी की महाशांति धारा कर सुख समृद्धि की कामना करते धर्म लाभ प्राप्त किया तथा आलोक जैन - श्रीमती अल्का सिंघल भीलवाड़ा निवासी ने आचार्य श्री चंद्रसागर महाराज का पाद प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट कर मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी कड़ी में समाज के पारस नला, पवन गंगवाल एवं त्रिलोक जैन बोक्रर ने संयुक्त रूप से बताया कि उक्त कार्यक्रम बाद यह दल धरियावद में पहुंचा जहां पर विराजमान आचार्य पुण्य सागर जी महाराज ससंघ 19 पिच्छी मुनि आर्यिकाओं के दर्शन कर मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया, कार्यक्रम में समाज सेवी सोहनलाल झंडा एवं चंद्रपुरी मंदिर समिति के सरंक्षक चम्पालाल जैन ने बताया कि यहां से रवाना होने बाद यह यात्रा दल केसरिया जी में विराजमान आचार्य पुलक सागर जी महाराज ससंघ के दर्शन कर वहां रात्रि विश्राम करेगा।

राजवंश पब्लिक सीनियर सैकंडरी स्कूल में जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास से मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

बरकत नगर स्थित राजवंश पब्लिक स्कूल में जन्माष्टमी पर्व बच्चों के द्वारा भव्यता व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया है। विद्यालय निदेशक श्रीमती सीता चौहान ने दीपप्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम संयोजक आकांक्षा चौहान ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा इस कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी है संस्था के सचिव अनिमेष चौहान ने बताया कि विद्यालय सामाजिक सरोकार को रखने वाले सभी पर्वोंको विद्यालय परिसर में आयोजित करता है जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो इस संस्था के प्रधानाचार्य नवल जैन ने पधारे हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। बच्चों के द्वारा दी गई रंगारंग प्रस्तुतियां की भूरी भूरी प्रशंसा की। अध्यापक एवं अध्यापिकाओं को भी इस कार्यक्रम को आयोजित करने में सहयोग देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

डा दीपांशा को मिला नीट पी जी उत्तीर्ण करने पर सम्मान

कोटा. शाबाश इंडिया। 11 अगस्त को संपन्न हुई नीट पी जी परीक्षा जिसमें दो लाख से अधिक डॉक्टर्स ने भाग लिया। परिणाम दिनांक 23 अगस्त को जारी हुआ। डॉक्टर दीपांशा मेहता (मारू) ने ऑल इंडिया रैंक 660 हासिल कर पूरे परिवार को गौरवान्वित किया। मेहता नर्सिंग होम के सभी चिकित्सक व स्टाफ ने डा दीपांशा का माला पहना कर सम्मान किया । डा दीपांशा दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज से प्रसूति एवं स्त्री रोग में पी जी कर महिलाओं के रोगों के लिए विशेष ट्रेनिंग लेना चाहती है। अपनी कामयाबी का श्रेय वह अपने दादा रतन लाल मारू द्वारा अच्छे संस्कार व माता पिता राकेश मनीषा मारू के अलावा चाचा डॉ हरीश वनिता मारू के द्वारा निरंतर प्रेरणा व उनकी सकारात्मक सोच को देना चाहती है। डा दीपांशा ने बताया कि मार्च में कोटा के डा नमन मेहता पुत्र डा समीर सपना मेहता के साथ विवाह संपन्न हुआ था। शादी के बाद भी पढ़ाई जारी रखने के लिए व निरंतर प्रोत्साहन मिलने के कारण यह सफलता हासिल हुई। कोटा डेवलपमेंट फोरम के संस्थापक अध्यक्ष डा टी सी मेहता ने भी इस मौके पर डा दीपांशा को शाल व मोमेंटो दे कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में डा स्मिता लोढ़ा शैलेश गरिमा गोधा एडवोकेट शुभि मेहता डा भव्य रतन मारू डा अमीषा ने भी बधाई प्रेषित करी।

ऐतिहासिक गुरुद्वारा नरैना साहिब पर राजस्थान सिख समाज फिल्म बनाएगा

जयपुर. कासं। सिख धर्म के दसवें गुरु, साहिब गुरु गोबिंद सिंह और दादू संप्रदाय के पांचवें मुखी शिरोमणि महंत जैतराम के ऐतिहासिक मिलन को दर्शाया जाएगा। लगभग 317 साल पूर्व दसमेश पिता गुरु गोबिंद सिंह अपने जीवन के अंतिम सफर में नांदेड़ (महाराष्ट्र) जाते हुवे राजस्थान के कई क्षेत्रों का दौरा किया। जयपुर रियासत से दूदू, नरैना गांव पहुंचे। वहां उन्होंने दादू संप्रदाय के 5वें मुखी महंत जैतराम जी से मुलाकात की। महंत जी के साथ इस ऐतिहासिक मिलन में धार्मिक, सामाजिक और अक्रांताओ द्वारा असहाय, निर्बल समुदायों पर किए जा रहे अत्याचार के खिलाफ ₹खालसा पंथ₹ की नींव रखी आदि कई विषयों पर चर्चा हुई। वहां गुरु जी उनके आतिथ्य में 13 दिन तक अपने शाही लश्कर के साथ रुके। इसी ऐतिहासिक घटना को चिरस्थाई बनाए रखने के लिए खडूर साहिब कारसेवा वालों द्वारा ''चरण कमल साहिब पातशाही दसवीं, नरैना'' के नाम से सुंदर गुरुद्वारा साहिब एवम सरोवर का निर्माण सेवा रत्न बाबा सेवा सिंह जी की अगुवाई में किया गया है। इसके ऐतिहासिक महत्व को देखते हुवे राजस्थान सरकार द्वारा इस गुरद्वारे के साथ ''सिख म्यूजियम'' की भी स्थापना की है। राजस्थान सिख समाज के प्रधान सरदार अजय पाल सिंह ने बताया कि गुरु गोबिंद सिंह जी के आगमन पर घटित कई घटनाओं को एक लड़ी में पिरोने के लिए एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाने का निर्णय राजस्थान सिख समाज ने लिया है। इस फिल्म को शूट करने के लिए ''सिख जाग्रति'' की टीम आज 25अगस्त सुबह 7बजे जयपुर से रवाना होगी। इस फिल्म में पुरातन सामग्री के साथ गुरुद्वारा साहिब के निर्माण तक के विभिन्न चरणों, संत-महापुरषों, सिख बुजुर्गों और सेवादारों के समर्पण भाव का उल्लेख किया जाएगा जिनकी वजह से इस ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब का सपना साकार हुआ। कलाकार के तौर पर इस टीम में बीबी जसपाल कौर, हरप्रीत कौर, मनमीत कौर, कमलदीप कौर, जसलीन कौर एवम हरप्रीत (जूनियर) हिस्सा ले रही हैं । फिल्म में इंट्रोडक्टरी कमेंट्री डॉ. तरनजीत कौर ने दी है। निर्देशन सिख जाग्रति के संपादक ओंकार सिंह का है। डॉक्यूमेंट्री फिल्म अगले माह सितंबर में रिलीज होगी।

ओंकार सिंह @ 9982222606

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

राजस्थान जैन युवा महासभा की जयपुर जिला कमेटी का शपथ ग्रहण संपन्न

नवगठित जिला कमेटी ने ली धार्मिक एवं सेवा कार्यों के कर्तव्य पथ की शपथ

मुनि प्रणम्य सागर महाराज के सानिध्य में हुआ शपथ ग्रहण समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर की नवगठित जयपुर जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शनिवार को मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर आयोजित किया गया।इस मौके पर नवगठित जिला कमेटी को शपथ ग्रहण किया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर चातुर्मास कर रहे मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में आयोजित इस शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि समाजश्रेष्ठी नन्द किशोर प्रमोद सुनील पहाड़िया थे ।समारोह की अध्यक्षता दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सुधान्शु कासलीवाल ने की। दीप प्रज्जवलन समाजश्रेष्ठी प्रदीप चूडीवाल निखार फैशन्स एवं आर के मार्बल्स किशनगढ़ की शांता पाटनी ने किया। समाजश्रेष्ठी विवेक काला, सुरेश सबलावत, अशोक चांदवाड, जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्टरनेशनल फेडरेशन मुम्बई के पूर्व अध्यक्ष राकेश जैन समारोह गौरव के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर अतिथियों ने आचार्य विद्यासागर, आचार्य समय सागर महाराज के चित्र अनावरण पश्चात भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। तत्पश्चात मुनि प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन किये गये।नवनिर्वाचित जिला कमेटी को अतिथियों द्वारा कर्तव्य पथ पर चलने की पांच चरणों में शपथ दिलाई गई।प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन ने स्वागत उदबोधन देते हुए युवा महासभा के संगठनात्मक ढांचे की जानकारी दी। प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष संजय पाण्डया ने अपने पहले उदबोधन में अपनी भावी गतिविधियों की रुपरेखा बताई। तत्पश्चात मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन हुये। मुनि श्री ने कहा कि नवगठित कमेटी को अपनी संस्कृति और समाज के उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए।हमारे तीर्थ एवं हमारे गुरु संस्कृति और समाज की बहुमूल्य धरोहर है। समाज में बदलाव होना चाहिए परन्तु संस्कृति एवं समाज के मौलिक मूल्यों में परिवर्तन नहीं होना चाहिए। बुजुर्गों को युवाओं को सांस्कृतिक मूल्यों को बनाये रखने की सीख देनी चाहिए। श्रमण व श्रावक धर्म संस्कृति प्रवाह के लिए गाडी के दो पहिए की तरह है। इनका आपस में जुडा रहना आवश्यक है। युवाओं का मनोबल बनाये रखना बुजुर्गों का दायित्व है।हमें अपनी भाषा की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। इस मौके पर युवा महासभा की ओर से मीरामार्ग मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी का सम्मान भी किया गया। मंच संचालन मुख्य समन्वयक राकेश गोधा ने किया। नवनिर्वाचित जिला महामंत्री सुभाष बज ने आभार व धन्यवाद व्यक्त किया। समारोह के लिए रवि प्रकाश जैन, मनीष बैद सी एस जैन ने मुख्य संयोजक एवं धीरज पाटनी, जितेश लुहाडिया, नवराज जैन ने संयोजक के रूप में अपनी सेवाएं दी। इस मौके पर दिल्ली से आए प्रख्यात गायक कमल जैन छाजेड़ ने भक्ति गीतों से सभी को ओतप्रोत किया। उनकी पुरकशीश आवाज की सभी ने प्रशंसा की। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा के संस्थापक अध्यक्ष ज्ञान चन्द झांझरी, राज कुमार कोठयारी, महेश काला, रमेश तिजारिया, सुभाष पाटनी, महेन्द्र सिंघवी,यशकमल अजमेरा, राजीव पाटनी,राजेन्द्र बिलाला, एम पी जैन, भाग चंद मित्रपुरा सहित नवनिर्वाचित कार्याध्यक्ष भारतभूषण जैन, कमल सरावगी, राजेश बड़जात्या,वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन पाण्डया, उपाध्यक्ष डॉ राजीव जैन, प्रवीण बडजात्या, मीरामार्ग दिगम्बर जैन मंदिर कमेटी, युवा महासभा के मानसरोवर सम्भाग के अध्यक्ष मुकेश कासलीवाल, महामंत्री राजेन्द्र सेठी, कमल बाबू जैन, सुनील बज, ऋतु कासलीवाल, शकुंतला चांदवाड, जोन अध्यक्ष एडवोकेट राजेश काला सहित बडी संख्या में सम्भागो एवं जोनो के पदाधिकारियों सहित जैन बन्धु शामिल हुए।

एण्डोक्राइन सोसायटी ऑफ राजस्थान (राज एसिकॉन) की द्वितीय राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस शुरू

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने किया उद्घाटन

जयपुर. शाबाश इंडिया

एण्डोक्राइन सोसायटी ऑफ राजस्थान की द्वितीय राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन 24-25 अगस्त को राजस्थान इंटरनेशनल सेन्टर, झालाना डूँगरी, जयपुर में किया जा रहा है । इस कॉन्फ्रेंस में डायबिटीज, थायरॉइड एवं अन्य हॉर्मोन रोगों के इलाज हेतु अविष्कार की गयी नई तकनीक के सम्बन्ध में देश झ विदेश के करीब 600 डॉक्टर विचार झ विमर्श करेंगे । इस कॉन्फ्रेंस में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार में शहरी विकास एवं आवास मंत्री झाबर सिंह खर्रा शामिल हुए । कॉन्फ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ प्रकाश केशवानी ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में हॉर्मोन से सम्बन्धित रोगों के बारें में लोगों

में जो भ्रान्तियाँ हैं उनके बचाव एवं उपचार के सम्बन्ध में गहन चर्चा की जायेगी। कॉन्फ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग सेकेट्री, सवाई मानसिंह चिकित्सा महाविधालय के सह आचार्य डॉ संजय सारण ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में PCOD, मोटापा एवं अन्य महिला हॉर्मोन रोगों के इलाज एवं ग्रोथ हॉर्मोन एवं डायबिटीज के उपचार हेतु इंसुलिन पम्प के उपयोग के सम्बन्ध में विचार-विमर्श किया जायेगा। मौके पर दीपक माहेश्वरी प्रिंसिपल एसएमएस मेडिकल कॉलेज, डॉ अनिल भंसाली, डॉ शैलेश लोढ़ा, डॉ एसके सिंह, आदि चिकित्सक मौके पर उपस्थित रहे ।डॉ सारण नें बताया कि भारत में जिस तेजी से डायबिटीज, थायरॉइड, मोटापा एवं अन्य हॉर्मोन रोगों के रोगियों की संख्या बढ़ी है उसका मुख्य कारण असंतुलित आहार, अस्वस्थ जीवन शैली, फास्ट फूड का अधिक उपयोग, नींद कम लेना, एक्सरसाइज एवं प्राणायाम का ना करना, तनाव का होना बताया साथ ही इनके बचाव के सम्बन्ध में गहन विचार- विमर्श किया जायेगा ।कॉन्फ्रेंस में महिला एवं बच्चों में होनें वाले हॉर्मोन रोगों के कारण एवं इलाज एवं हॉर्मोन से सम्बन्धित रोगों की रोकथाम हेतु आमजन को जागरूक करनें के तरीकों पर अलग से सत्र आयोजित किया जायेगा ।

स्वाध्याय, गुरु सानिध्य, देव दर्शन से भावों में शुद्धता आती है: मुनि प्रणम्य सागर

जयपुर में पहली बार मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण के चौथे अधिकार का वाचन किया गया। जिसमें मुनि श्री ने बताया कि भावों की अपनी महत्ता है। हम सब अचेतन जैसे - रोबोट, मोबाइल, गूगल इत्यादि पर विश्वास करते हैं। जिनके पास वो ही जानकारी होती है जो उन्हें कही न कहीं से प्राप्त हुई है। पर उस अरिहंत परमात्मा, जो कि सर्वज्ञ है उनके जिनबिम्बों पर विश्वास नहीं करते हैं। भाव शुभ भी हो सकते हैं और अशुभ भी। स्वाध्याय, गुरु सानिध्य, देव दर्शन से भावों में शुद्धता आती है और मन में निर्मलता, आत्मा में संयमता आती है। इन भावों का फल भी शुभ होता है। आज युवा वर्ग जंक फूड, केमिकल युक्त कोल्ड-ड्रिंक, और नॉन वेज जैसी जगह पर जाना अच्छा समझता है तो उनके भाव शुभ कैसे हो सकते हैं। यदि युवा अच्छा देखेंगे, सुनेंगे और पढेंगे तो उनके भावों में शुद्धता आयेगी। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात अर्हम चातुर्मास समिति 2024 के शिरोमणि संरक्षक सुरेश पाटनी की धर्म पत्नी श्राविका श्रेष्ठी शांता पाटनी आर के मार्बल्स किशनगढ़ द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात शांता पाटनी

किशनगढ़ , डॉ मुनीश जैन, नेहा जैन, हर्ष - सोनिया जैन नगराव पंजाब ने मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन किया। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा एवं उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी ने बताया कि इससे पूर्व सभी अतिथियों ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति के संयुक्त मंत्री मनोज जैन ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में रविवार , 25 अगस्त को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।

श्री महावीर कॉलेज में शपथ ग्रहण समारोह एवं इंट्रा कॉलेजिएट टूर्नामेंट का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर कॉलेज में शनिवार दिनांक 24 अगस्त को कॉलेज परिसर में शपथ ग्रहण समारोह एवं इंट्रा कॉलेजिएट टूर्नामेंट कबड्डी लड़के एवम रस्साकशी लड़के और लड़कियां का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कालेज प्राचार्य डॉक्टर आशीष गुप्ता द्वारा किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में सभी कक्षाओं के प्रतिनिधियों एवं कॉलेज द्वारा बनाए गए क्लबों जैसे टेक्नो स्पोर्ट्स कल्चरल लिटरेरी कॉमर्स कॉर्पोरेट रिसोर्स सेल मीडिया एंड फोटोग्राफी नस क्रिएटिविटी पर रोटरेक्ट क्लब के विद्यार्थियों को बैच देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके कार्यों के उत्तरदायित्व के बारे में जानकारी प्रेषित करना था। इस कार्यक्रम में कॉलेज प्राचार्य डॉक्टर आशीष गुप्ता ने अपने अधिवेशन द्वारा सभी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए सभी पदाधिकारी को उनकी जिम्मेदारी से अवगत कराया। इंट्रा कोलिजिएट टूर्नामेंट कबड्डी लड़के, रस्साकशी लड़के और लड़कियों के मध्य खेला गया। इंट्रा कॉलेजिएट टूर्नामेंट कबड्डी टूर्नामेंट में सीनियर्स की टीम विजय रही, रस्साकसी टूर्नामेंट में सीनियर की टीम विजय रही तथा महिलाओं में सीनियर्स की टीम विजय रही।महावीर दिगंबर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी, मानक मंत्री सुनील बक्शी कोषाध्यक्ष महेश काला ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की।